

प्रेषक,

भास्करानन्द,  
संघिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

जेवा में,

निदेशक,  
सैनिक कल्याण एवं पुनर्दास,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून

दिनांक 30 मई, 2013

विषय—वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

मत्तोदय,

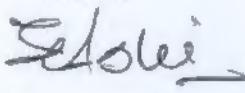
उपर्युक्त विषयक, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 की छायाप्रति संलग्न कर ब्रेझिट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 सैनिक कल्याण विभाग रो रावणित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों को संलग्नक के अनुसार ₹ 3,21,00,000/- (₹ तीन करोड़ इक्कीस लाख रुपये) की धनराशि यां चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में वित्त विभाग के उत्तर शासनादेश में प्राविधानित एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रेक्षिकान्वयों के अधीन निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या:-295/XXVII(1)/2013 दिनांक 1 अप्रैल 2013 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित निर्वतन जायेगा।
- अवधनबद्ध भटों में व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
- अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फैजिंग (त्रैनास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे याज्ञ स्तर पर कैशफलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न सत्पन्न हो।

Follow

4. आय-व्ययका द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
5. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
6. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में वाहे वह वेतन आदि के संबंध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के संबंध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्थान से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार, कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
7. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिये यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
8. मितव्यपर्याप्तता के संबंध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
9. यदि किसी अधिकारी/योजनाओं के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
10. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्राविधानों के अंतर्गत संसद-सारिणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
11. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीकरण संसदीय सुनिश्चित करें।
12. समस्त चालू निर्माण कार्य, नए निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, ताहत काक्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साप्टवेयर का क्रय वर्गी स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराएं।
13. डी०एम०-१३ पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
14. यह आवंटन अनुदान संख्या-15 के अलोटमेट आई डी० संख्या:-S1305150255 S1305150256, S1305150257 एवं S1305150258 दिनांक 20 मई 2013 द्वारा जारी किए जा रहे हैं।

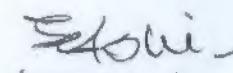
संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,  
  
(भास्करानन्द)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: (1)/XVII-3/13-09(22)/2013 तददिनांकित।  
प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. विष्ट कोषाशिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
5. बजट, राजकोषीय नियंत्रण एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड संविवालय परिसर, देहरादून।
6. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड संविवालय परिसर, देहरादून।
7. आदेश पांजिका।

आज्ञा सं,

  
(भास्करानन्द)  
सचिव